समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

पाकिस्तान को पीओके खाली करना चाहिए – विदेश मंत्रालय।

Publisher

Published on 13 May 2025

विदेश मंत्रालय ने बताया कि सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराना है।

विदेश मंत्री के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध जैसे हालात पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कहा कि पीओके में भारतीय सेना ने 15-20 आतंकियों को मार गिराया है। यह हमारी दीर्घकालिक राष्ट्रीय स्थिति भी है कि भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान द्वारा द्विपक्षीय रूप से निपटाया जाना चाहिए। वह नीति नहीं बदली है। जैसा कि आप जानते हैं, सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को छुड़ाना है।

युद्ध विराम मे विभिन्न देशों की भूमिका के बारे मे

10 मई, 2025 को अपराह्न 3:35 बजे दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच फोन पर समझौता ज्ञापन की विशिष्ट तिथि, समय और शब्दावली को अंतिम रूप दिया गया। विदेश मंत्रालय को पाकिस्तानी उच्चायोग से इस कॉल के लिए अनुरोध दोपहर 12:37 बजे प्राप्त हुआ। तकनीकी कारणों से, शुरुआत में पाकिस्तानी पक्ष से भारतीय पक्ष तक हॉटलाइन को जोड़ने में कठिनाइयां आईं। इसके बाद भारतीय डीजीएमओ की उपलब्धता के आधार पर समय दोपहर 3.35 बजे तय किया गया।

10 तारीख की सुबह हमने पाकिस्तानी वायु सेना के प्रमुख ठिकानों पर बहुत प्रभावी हमला किया। इसीलिए वे अब गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने को तैयार हो गए। मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि भारतीय हथियार कंपनियों की मजबूती के कारण ही पाकिस्तान को गोलीबारी रोकनी पड़ी।

अन्य देशों के साथ बातचीत के संबंध में भारत का संदेश स्पष्ट एवं सुसंगत था। जो संदेश हम सार्वजनिक मंचों पर दे रहे थे, वही संदेश निजी बातचीत में भी दिया गया। भारत 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले का जवाब आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर दे रहा था। हालाँकि, यदि पाकिस्तानी सशस्त्र बल गोलीबारी करते हैं, तो भारतीय सशस्त्र बल जवाबी कार्रवाई करेंगे; अगर पाकिस्तान रुक गया तो भारत भी रुक जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में पाकिस्तान की ओर से यही संदेश दिया गया था,

IWT पर

जैसा कि समझौते की प्रस्तावना में कहा गया है, सद्भावना और मैत्री की भावना से IWT को समाप्त किया गया। पाकिस्तान ने दशकों से सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों को कायम रखा है। अब, 23 अप्रैल के सीसीएस निर्णय के अनुसार, भारत इस समझौते को तब तक स्थगित रखेगा जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करने से इनकार नहीं कर देता। कृपया यह भी ध्यान रखें कि जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव और तकनीकी परिवर्तनों ने जमीनी स्तर पर नई वास्तविकताएं पैदा कर दी हैं।

व्यापारी का मुद्दा चर्चा में नहीं है।
7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के शुभारंभ से लेकर 10 मई को युद्ध विराम और शत्रुता समाप्त करने के समझौते तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं ने सैन्य स्थिति पर चर्चा की। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा।

पहलगाम हमले में जो भी सबूत मिले, टीआरएफ ने हमले की जिम्मेदारी ली, टीआरएफ सेना का मुखौटा है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समक्ष टीआरएफ के खिलाफ मजबूत सबूत पेश करेगा। हमने पाकिस्तानी एयरबेस पर भी बड़ा हमला किया। एयरबेस को भारी क्षति पहुंची।

हमारा इरादा शुरू से ही स्पष्ट था कि यदि पाकिस्तान की ओर से कोई हमला हुआ तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी कहा कि पाकिस्तान का जीत का दावा करने का लंबा इतिहास रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.